हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 32 .0 डिग्री
न्यूनतम 14 .0 डिग्री

11 महर्षि वाल्मीकि के जीवन से वर्तमान पीढ़ी को मेहनत और शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा लेनी चाहिए



12 नियम ताक पर रखकर चलने वाले केंद्रों पर शिकंजा, आरटीए की टीम ने चेक किए प्रदूषण जांच केंद्र



खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक काबू

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने सड़क हादसे के बाद मौके से फरार हुए एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। गत 24 अक्टूबर की रात कुंड के पास ट्रॉले की टक्कर से बाइक सवार कंपनी कर्मचारी जितेंद्र की मौत हो गई थी। चालक उस समय मौके से फरार हो गया था। गुस्साए ग्रामीणों ने कुंड पुलिस चौकी के पास रोड जाम कर दिया था। पुलिस ने ट्रॉला चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था। इस मामले में चालक यूपी के जयादोपुर निवासी संजय को गिरफ्तार कर लिया। उसका ट्रॉला भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

मारपीट मामलों के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और धमकी देने के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मारपीट में घायल के बयान पर बावल थाना पुलिस ने गत 8 सितंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने लाठी-डंडों से मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में खुर्मपुर निवासी हंसराम को गिरफ्तार किया गया है। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने 10 अक्टूबर को दर्ज मामले में जोनावास निवासी शशिकांत को गिरफ्तार किया है।

दहेज उत्पीड़न मामले में आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। दोनों पक्षों में समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने 14 अगस्त को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में पलवल के उटावड़ निवासी राकेश को गिरफ्तार कर लिया।

तीन महिलाएं मारपीट में गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने पाली गांव में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 2 सितंबर को गांव के कई आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ित पक्ष की ओर से मारपीट करने के आरोप लगाए गए थे। जांच के बाद पुलिस ने पाली निवासी ज्योति, प्रिया और सुमन को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस ने तीनों को रिहा कर दिया।

एनडीपीएस एक्ट का आरोपी रिमांड पर

रेवाड़ी। सीआईए ने एनडीपीएस और एक्साइज एक्ट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब और नशीला पदार्थ बरामद होने के बाद गत 27 सितंबर को केस दर्ज किया था। दो आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में माजरा गुरदास निवासी पारस को गिरफ्तार किया गया है। शराब और नशीले पदार्थ की सप्लाई का पता लगाने के बारे में पूछताछ के लिए उसे कोर्ट से दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

प्रथम ओपन जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप एक को

रेवाड़ी। ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से प्रथम ओपन जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप-का आयोजन 1 नवंबर को जी डी गोयनका स्कूल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों एवं ताइक्वांडो अकादमियों के खिलाड़ी भाग लेंगे। एसोसिएशन के महासचिव ने बताया कि चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए खिलाड़ी 28 अक्टूबर तक पंजीकरण कर सकते है। खिलाड़ियों का वजन प्रतियोगिता से एक दिन पूर्व लिया जाएगा।

शहर से बिना कवर किए ले जाया जा रहा कूड़ा, दीपावली पर बढ़ रहा प्रदूषण का खतरा

त्योहारी सीजन में भी सड़कों पर लगे गंदगी के ढेर, समय पर नहीं हो रहा कचरे का उठान



रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर ट्रामा सेंटर के पास फैला कचरा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

त्योहारी सीजन में भी शहर की सड़कों पर जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए है। नगर परिषद की ओर से देखरेख नहीं किए जाने के अभाव में एजेंसी सुस्ती बरत रही है। कॉलोनियों व मोहल्लों सहित शहर की डंपिंग साइटों से समय पर कचरे का उठान नहीं किया जा रहा है। दीपावली आने से पूर्व साफ-सफाई होने के कारण घरों से निकलने वाले कचरे की भी मात्रा बढ़ जाती है। ऐसे में लोगों ने सड़कों पर कचरा डालकर अनावश्यक कचरा प्वाइंट भी बना लिए है। कचरा कलेक्शन व उठान के नाम पर नगर परिषद की ओर से एजेंसी का करीब 36 करोड़ का ठेका दिया हुआ है, परंतु आठ महीने बीतने के बाद भी ठेकेदार वाहनों की व्यवस्था भी नियमानुसार पूरी नहीं कर सका है।

नगर परिषद की ओर से डोर-टू-डोर कचरा कलेक्ट कराने के बाद एमआरएफ सेंटर पर डलवाया जाता है। एमआरएफ सेंटर से रामसिंहपुरा तक कचरा पहुंचाने के लिए एजेंसी को 12.5 करोड़ रुपये का टेंडर दिया हुआ है। वहीं वार्डो से कचरा कलेक्शन करने के लिए अलग से 23.5 करोड़ रुपये का 5 साल का ठेका है। इसके बावजूद ठेका लेने वाली एजेंसी कचरा उठान के लिए पर्याप्त वाहनों की व्यवस्था तक नहीं कर पाई है। सेंटर पर नियमानुसार गीला और सूखा कचरा अलग करने के बाद रामसिंहपुरा डंपिंग यार्ड तक पहुंचाना होता है,लेकिन कचरे को अलग किए बिना ही वहां तक पहुंचाया जाता है।

एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेशों के बाद एनसीआर में पुराने वाहनों के संचालन पर पूरी तरह से रोक लगी हुई है। एजेंसी का डंपिंग यार्ड तक कचरा पहुंचाने के लिए ग्रीन कपड़े से कवर करना जरूरी है, लेकिन कचरे से भरे वाहनों को बिना ढके ही डंपिंग यार्ड ले जाया जा रहा है,जो रास्ते में पीछे चलने वाले दुपहिया व दूसरे वाहनों पर गिरता रहता है। यहां तक कि कचरा कलेक्शन में ज्यादातर पुराने एनजीटी के नियमों का नहीं हो रहा पालनशहर में बिना कवर किए कचरा लेकर गुजरते वाहन एनजीटी के नियमों की अवेहलना कर रहे है।

एनजीटी के नियमों का नहीं हो रहा पालन

शहर में बिना कवर किए कचरा लेकर गुजरते वाहन एनजीटी के नियमों की अवेहलना कर रहे है। दीपावली के समय प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ जाता है। वर्तमान में प्रदूषण बढ़ने पर एनसीआर में ग्रेप वन भी लागू किया जा चुका है। ऐसे में खुला कचरा लेकर गुजर रहे वाहन प्रदूषण बढ़ाने का काम कर रहे है।



हर सड़क पर गंदगी के ढेर

एजेंसी की सुस्ती के कारण शहर की प्रत्येक सड़क पर कचरे के ढेर नजर आ रहे है। यहां तक कि शहर की डंपिंग साइटों से भी कचरा बाहर तक फैला रहता है। सरकुलर रोड स्थित ट्रामा सेंटर के पास, रेलवे चौक, नाईवाली चौक के पास, ब्रास मार्केट, सेक्टर-4 बाइपास, कोनसीवास रोड, बीएमजी मॉल के पीछे, सेक्टर-5 व बावल रोड पर जगह-जगह गंदगी के ढेर देखे जा सकते है। सड़कों पर लगे कचरे के ढेर में पूरे दिन गोवंश का जमावड़ा लगा रहता है। जोकि कचरे को फैलाने का कार्य कर रहे है।



पुराने ट्रैक्टरों से कचरा डंपिंग यार्ड तक पहुंच रहा

दीपावली के समय प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ जाता है। वर्तमान में प्रदूषण बढ़ने पर एनसीआर में ग्रेप वन भी लागू किया जा चुका है। ऐसे में खुला कचरा लेकर गुजर रहे वाहन प्रदूषण बढ़ाने का काम कर रहे है। ट्रैक्टरों का इस्तेमाल हो रहा है, जो प्रदूषण बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। खेती के लिए इस्तेमाल होने वाले यूरो-4 व इससे भी पुराने मॉडल के ट्रैक्टरों से कचरा डंपिंग यार्ड तक पहुंच रहा है।

गांजा तस्करी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

■ तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 1.262 किलोग्राम गांजा बरामद



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए रेवाड़ी की टीम ने अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए गांजा सप्लाई करने वाले सप्लायर कृष्ण कुमार को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गत 25 जुलाई को सीआईए को सूचना मिली कि संदीप उर्फ लीलू निवासी गांव गोकलगढ़ अवैध रूप से नशीला पदार्थ गांजा बेचने का कार्य करता है तथा वह इस समय गोकलगढ़ बाईपास से गांव गोकलगढ़ जाने वाले टाइलों वाले रास्ते पर खड़ा है। सूचना पर सीआईए ने आरोपी को काबू किया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 1.262 किलोग्राम नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आरोपी ने खुलासा किया कि उसे यह अवैध नशीला पदार्थ कृष्ण कुमार निवासी मोहल्ला आदर्श नगर कुतुबपुर सप्लाई करता था। सीआईए ने रविवार को मामले में संलिप्त दूसरे आरोपी कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी कृष्ण कुमार को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

चालक भूल गया टिकटिंग मशीन रास्ते में ही रोकनी पड़ी रोडवेज बस

रेवाड़ी। सोमवार सुबह जल्द अपने काम से दिल्ली व गुरुग्राम के रोडवेज बस में सवार हुए यात्रियों की मुश्किल उस समय बढ़ गई, जब परिचालक को टिकटिंग मशीन की याद आई। चालक मशीन को बस स्टैंड पर ही भूल गया था, जिसे लाने के लिए बस को आधे घंटे से ज्यादा समय तक रास्ते में खड़ा करना पड़ा। जिन यात्रियों को जल्दी थी, वह दूसरे वाहनों से रवाना हुए। सोमवार सुबह लगभग 4:40 बजे रोडवेज की एक बस दिल्ली के लिए बस स्टैंड से रवाना हुई थी। बस में यात्रियों की अच्छी भीड़ थी। धारूहेड़ा चुंगी पहुंचने के बाद जब चालक टिकट काटने की तैयारी कर रहा था, तो उसके पास टिकटिंग मशीन ही नहीं थी। मशीन को बस स्टैंड पर ही छोड़ दिया गया था। परिचालन ने तुरंत चालक को बताकर बस को रुकवाया। काफी देर तक बस धारूहेड़ा चुंगी पर ही खड़ी रही। कई यात्री प्राइवेट वाहन पकड़कर दिल्ली और धारूहेड़ा के लिए रवाना हो गए। इस बस को परिचालक के मशीन लेकर आने के बाद ही आगे लग जाया गया।

लव मैरिज के बाद आया था जोड़ा पत्नी की संदिग्ध हालात में मौत



रेवाड़ी। सदर थाना परिसर। फोटो : हरिभूमि

■ एक प्राइवेट कंपनी में ड्यूटी पर गया हुआ था पति, वापस आने पर फंदे से लटका मिला शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

उत्तराखंड से कुछ समय पहले लव मैरिज के बाद कापड़ीवास में आकर रह रहे कंपनी कर्मचारी युवक की पत्नी ने सोमवार को संदिग्ध हालत में फांसी लगा ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर महिला के परिजनों को घटना की सूचना दी है। परिजनों के आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मूल रूप से उत्तराखंड के पिथौड़ागढ़ निवासी अंकित कुमार ने 21 वर्षीय निकिता के साथ प्रेम विवाह किया था। अंकित धारूहेड़ा की एक कंपनी में कार्यरत है। अंकित ने कापड़ीवास गांव में कमरा किराए पर लिया हुआ है। सोमवार सुबह वह कंपनी में ड्यूटी पर गया हुआ था। जब वह वापस आया तो निकिता का शव छत के पाइप से फंदे पर झूलता हुआ मिला। पाइप से चुन्नी बंधी हुई थी, जिससे निकिता लटकी हुई थी। अंकित ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

सीन ऑफ क्राइम टीम को बुलाया

सेक्टर-6 थाना प्रभारी सचिन कुमार ने मौके पर जाकर शव कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया। टीम ने आवश्यक जांच शुरू की। इसके बाद मृतका के मायके पक्ष के लोगों को पुलिस ने सूचना दी। परिजनों को आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। अभी तक आत्महत्या के कारणों के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया है।

युवा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ व उसकी सबसे बड़ी शक्तिः कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट एवं होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग व यूथ रेडक्रॉस की ओर से नशा मुक्त विकसित भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय परिसर में जागरूकता रैली निकाली गई व नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। युवा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ और उसकी सबसे बड़ी शक्ति हैं। एक समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण तभी संभव है जब हमारी युवा ऊर्जा सही दिशा में अग्रसर हो। नशा न केवल एक व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य को अंधकारमय बना देता है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का उपयोग ज्ञान, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। कुलपति ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया। रैली में डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट तथा होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। रैली के बाद विश्वविद्यालय के आरटीआर ब्लॉक में विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से नशे की लत के कारण व्यक्ति के स्वास्थ्य, पारिवारिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा पर पड़ने वाले विनाशकारी प्रभावों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ दर्शाया गया।



रेवाड़ी। रैली को रवाना करते हुए कुलपति। फोटो : हरिभूमि

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान के निदेशक डा. बीरेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शहीद पुलिसकर्मियों को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

जिला पुलिस की ओर से 31 अक्टूबर तक पुलिस स्मृति दिवस एवं झंडा दिवस मनाया जा रहा है। सोमवार को कोसली स्थित आरपीएस स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक थाना कोसली इंस्पेक्टर विधा सागर व स्कूल प्राचार्य रेणु गुलिया मौजूद रही। प्रतियोगिता में कक्षा छठी से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अलग-अलग समूह बनाए गए थे। पहले समूह में कक्षा छठी से आठवीं तक और दूसरे समूह में कक्षा नौवीं व दसवीं के विद्यार्थी शामिल रहे। विद्यार्थियों ने पेंटिंग के जरिए शहीदों को श्रद्धांजलि दी और फ्लैग दिवस व पुलिस शहीद स्मृति दिवस की जानकारी दी। प्राचार्य रेणु गुलिया ने बच्चों से वीर जवानों के बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। शहीदों की बदौलत ही हम आज आजादी की हवा में सांस ले रहे है तथा दुश्मनों से देश की सीमाएं सुरक्षित है। देश में पुलिस स्मृति दिवस 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। 21 अक्टूबर 1959 को केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल के दस जवानों ने लद्दाख में देश की सीमा की सुरक्षा करते हुए चीन की सेना के साथ हुई मुठभेड़ में अपने प्राण बलिदान किए थे।



मौसम न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस गिरा, दो दिन तक आसमान साफ रहने का अनुमान

अब ठंडी होने लगी रातें, सीजन में सबसे कम रहा रात का तापमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अक्टूबर के अंतिम दिनों में मौसम ने करवट लेनी शुरू कर दी है। दिन में धूप के कारण गर्मी का अहसास हो रहा है, लेकिन रात और सुबह के समय ठंड ने दस्तक दे दी है। रविवार की रात इस सीजन की अब तक की सबसे ठंडी रात रही। न्यूनतम तापमान में एक ही दिन में 4.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई और पारा लुढ़ककर 14.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके साथ ही लोगों को अब रात के समय रजाई संभालने और सुबह घर से निकलते समय गर्म कपड़े पहनने की जरूरत महसूस होने लगी है।

दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ने से मौसम का मिजाज भी बदलता नजर आ रहा है। दिन के समय तेज धूप के कारण अभी गर्मी बनी हुई है, जबकि सूर्यास्त के बाद तापमान में गिरावट होने से ठंडक बढ़ रही है। मौसम के इस बदलाव का असर सुबह सैर करने वालों, कामकाजी लोगों और दोपहिया वाहन चालकों पर अधिक दिखाई देने लगा है। सोमवार को अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। यह 32.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके विपरीत न्यूनतम तापमान में 4.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान 14.0 डिग्री सेल्सियस रहने के कारण रात के समय ठंड का अहसास बढ़ गया है। सुबह के समय भी मौसम ठंडा होना शुरू हो गया है। दिन और रात के तापमान में करीब 18 डिग्री का अंतर बना हुआ है। यही वजह है कि दोपहर में जहां लोगों को गर्मी महसूस हो रही है, वहीं सुबह और देर रात हल्की ठंड से बचाव की जरूरत पड़ रही है। मौसम का यह बदलाव संकेत दे रहा है कि सर्दी धीरे-धीरे अपना असर बढ़ाने लगी है।



रेवाड़ी। सरसों की बिजाई किया गया एक खेत। फोटो : हरिभूमि

सुबह गर्म कपड़ों की जरूरत

सुबह के समय तापमान कम रहने से सैर करने वालों और जल्दी काम पर निकलने वाले लोगों को अब गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ सकता है। खासकर बुजुर्गों और छोटे बच्चों को सुबह तथा देर रात ठंड से बचाव पर ध्यान देने की जरूरत है। वहीं, रात के समय पंखों की गति कम करने और हल्की रजाई या चादर का इस्तेमाल करने की जरूरत भी महसूस होने लगी है।

दो दिन बाद फिर बदलेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार मौसम में अभी उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। अगले दो दिन आसमान साफ रहने के बाद मौसम फिर करवट ले सकता है। आसमान में बादल छाने और कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी होने की संभावना जताई जा रही है। यदि मौसम में बदलाव होता है तो तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

सरसों की बिजाई में जुटे किसान

मौसम फिलहाल सरसों की बिजाई के लिए पूरी तरह अनुकूल बन चुका है। जिले में इस बार लगभग 90 हजार हेक्टेयर जमीन पर सरसों की बिजाई का अनुमान है। मौसम ठंडा होते ही किसानों ने बिजाई का कार्य तेज कर दिया है। हालांकि अभी दिन के समय मौसम का गर्म मिजाज किसानों की चिंता बढ़ा रहा है, लेकिन इसमें भी जल्द सुधार की संभावना है।

एसआई राधे श्याम ने निभाया मानवता धर्म, देह और अंग किए दान

कोसली। वर्दी सिर्फ ड्यूटी नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अंतिम सांस तक समर्पण का संकल्प होती है। सच्चा वीर जीते जी तो देश की हिफाजत करता ही है और जाते-जाते भी मानवता का फर्ज अदा कर जाता है। गांव दड़ौली के वीर जवान एसआई राधे श्याम सीआरपीएफ ग्रुप हेडक्वार्टर रेंज नोयडा में तैनात थे। अपनी ड्यूटी पर दिल्ली जाते समय पालम रेलवे प्लेटफार्म पर दुर्भाग्यपूर्ण रेल हादसे का शिकार हो गए। वे अक्सर कहा करते थे कि उनके शरीर का एक-एक कतरा देश के काम आए। अपने इस प्रण को उन्होंने मरणोपरांत अमर कर दिया। परिवार ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए उनकी आंखें और अन्य जरूरी अंग डीडीयू अस्पताल दिल्ली को दान कर दिए।



छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com
हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
27 अक्टूबर 2026
10
सहेली
विशेष
करवा चौथ
29 अक्टूबर



प्रगतिशील भाव संग परंपरा के प्यारे रंग

पति के मंगलमय जीवन के लिए मनाया जाने वाला पर्व करवा चौथ, अब अपने परंपरागत रूप से उबर कर मनाया जाने लगा है। अब पत्नी ही निराजल व्रत नहीं रहती, पति भी अपनी पत्नी के सुखी जीवन के लिए व्रत रखते हैं, साझा दायित्व निभाने का संकल्प करते हैं। जीवनसाथी का यह प्रगतिशील भाव सिर्फ दांपत्य जीवन को ही नहीं, संपूर्ण परिवार को खुशहाल बना रहा है।



आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

हालिया बरसों में परंपरागत पर्वों को मनाने का अंदाज पूरी तरह बदल गया है। रीति-रिवाज का स्वरूप तो पुराना ही है, लेकिन निभाने के तौर-तरीके नए हैं। शादीशुदा जिंदगी में जीवनसाथी की भावनाओं को एक-दूजे से जोड़ने वाला करवा चौथ का व्रत भी अब नए अंदाज में मनाया जाने लगा है। यह बदलाव पति-पत्नी के जुड़ाव को और मजबूती देने वाला है। साथ व्रत करने, उपहार देने और औपचारिकताओं से दूर घर-परिवार से जुड़ने का यह अंदाज प्रेम और परवाह दोनों को लिए है। परंपरा के रंग और प्रगतिशील भाव-चाव मिलकर उत्सवी सहजता और स्नेह को पोसने का काम कर रहे हैं।

उपवास से जुड़ी साझी अनुभूतियां

आज युवा जोड़े, करवा चौथ के पर्व को जज्बाती समझ के साथ मनाते दिखते हैं। पत्नियों के साथ पति अब भी व्रत रखते हैं। थोड़ा समय निकाल कर जीवनसंगिनी की मान-मनुहार करते हैं। यही कारण है कि समय के साथ रीति-रिवाज और परंपराओं में आए बदलाव ने जीवनसाथी की कुशलकामना के भाव को और गहरा कर दिया है। सही मायने में देखा जाए तो रिश्तों में आए खुलेपन की सोच ने इस जुड़ाव को और बल दिया है। इसी सहजता के कारण करवा चौथ जैसे त्योहारों को मनाना महिलाओं को भी बंधन नहीं बल्कि उत्सव-सा लगता है। खासकर युवतियां इस नए रंग-ढंग से बहुत खुश हैं। पति का इन परंपराओं के निर्वहन में भागीदार बनना भी प्यारा-सा पहलू है। कभी लोक परंपरा को निभाने के लिए मनाया जाने वाला करवा चौथ का व्रत आज पति और पत्नी दोनों के लिए स्नेह को व्यक्त करने का पर्याय बन गया है। ऐसे में इस व्रत से जुड़े अनुष्ठान का परंपराओं के खांचे से निकलकर सहज-सरल बनना बेहद सुखद है।





जिम्मेदारियों का साझा निर्वहन

जज्बातों को समझने वाला जीवनसाथी जब जिम्मेदारियां भी बांटने लगे, तो कुशल कामना के भाव बहुत आत्मीय होते हैं। आस्था का आधार इन भावनाओं को और पावन बनाता है। यह वाकई एक बड़ा बदलाव है कि पति और पत्नी दोनों ही अपने जीवनसाथी को शक्ति स्तंभ, दोस्त और सलाहकार समझने लगे हैं। इसी समझ में आपसी सम्मान के भाव को भी बढ़ाया है। पति-पत्नी का साथ जीवन भर का साथ होता है। इस जुड़ाव में खुशियां ही नहीं बांटीं जातीं, जिम्मेदारियों के साझे निर्वहन की सोच भी होनी चाहिए। पहले व्रत, उत्सव पर भी घर के काम-काज का दायित्व केवल महिलाओं के हिस्से ही आता था। अब ऐसे पर्व-त्योहारों पर घर के पुरुष भी काम में हाथ बंटाते हैं। युवा अपनी काम-काजी जीवनसंगिनी के थकाने वाले शेड्यूल को समझते हैं। इसके चलते संबंधों में आ रही समानता की यह सोच वास्तविक धरातल पर भी दिखने लगी है। यही वजह है कि करवा चौथ जैसे पारंपरिक त्योहार में स्नेह के साथ आपसी समझ भी नजर आती है।

मन का उत्सव

गांवों से लेकर शहरों तक अब भी इस सुहाग पर्व को महिलाएं बहुत उत्साह और मनोयोग से मनाती हैं। हर परंपरा को पूरे दिल से निभाती हैं। नव-विवाहिता बहू-बेटियों का सहज-स्नेह के साथ रीति-रिवाज से परिचय कराती हैं। उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाने वाला यह पारंपरिक पर्व, सही मायने में स्त्रीत्व का उत्सव है। वैवाहिक जीवन में संबंधों से मिला स्नेह-समझ का भाव इस उल्लास को और खुलकर जीने का मौका देता है। आज की भागम-भाग भरी जिंदगी में करवा चौथ का व्रत भावनाओं को साझा करने का सुंदर अवसर-सा है। पति-पत्नी के बीच सामंजस्य और परिपक्वता को बढ़ावा देने वाला यह भावपूर्ण और खूबसूरत त्योहार बहुत से दंपतियों का पसंदीदा पर्व है। असल में इन छोटे-छोटे कई सकारात्मक बदलावों से घर-परिवार में रिश्तों को लेकर नई समझ को स्थान मिल रहा है। जो औपचारिकताओं से परे अपनेपन से सिंचित वैवाहिक जीवन का मजबूत आधार बन रहे हैं। इसीलिए कह सकते हैं कि करवा चौथ पति-पत्नी के दिल से जुड़ा उत्सव है। जिसे दोनों पूरे मन से मनाते हैं। इससे दोनों को खुशी महसूस होती है।

परिवार की कुशलकामना

पति के दीर्घायु की कामना से जुड़ा करवा चौथ का व्रत पारिवारिक मोर्चे पर शुभता चाहने से भी जुड़ा है। दंपतियों के रिश्ते की खुशहाली पूरे परिवार की सुख-शांति से जुड़ी होती है। ऐसे में परिवार और रिश्तों की बेहतरी का भाव लिए यह पर्व पूरे समाज को आपसी जुड़ाव का संदेश देता है। मिलकर कथा सुनतीं, मेहंदी लगातीं, सजती-संवरती, बड़ों से आशीष लेती महिलाएं पर्वों के माध्यम से समाज जोड़ने का ही सुंदर पुल बनाती हैं।

दांपत्य जीवन में भरें प्यार के रंग

मंगलमय दांपत्य जीवन के लिए मनाए जाने वाले पर्व करवा चौथ के दिन सिर्फ पूजा आराधना ही नहीं हो, पति-पत्नी कुछ ऐसी बातें भी अमल में लाएं,जो उनके जीवन में मधुरता घोले, प्रगाढ़ बनाए। इसके लिए दंपतियों को कुछ बातें अमल में लानी होंगी।

सलाह
प्रतिभा अग्निहोत्री

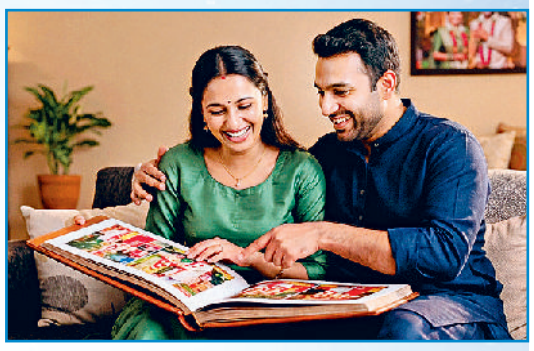

करवा चौथ का पर्व सिर्फ पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाने वाला व्रत ही नहीं है, बल्कि यह पति-पत्नी के रिश्ते में आपसी समझ को और अधिक गहरा करने का अवसर भी है। अपने दांपत्य जीवन में प्रेम के खूबसूरत रंग भरकर और अधिक प्रगाढ़ कैसे बनाएं, जानें।

दांपत्य जीवन में संतुलन बनाए रखने का संकल्पः पति-पत्नी एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं, अगर ये जीवन रूपी पथ पर साथ-साथ संतुलन बनाकर नहीं चलेंगे, तो दांपत्य की गाड़ी डगमगाकर पलट जाएगी। इसलिए परस्पर समझदारी से इसके संतुलन को बनाए रखना बेहद जरूरी है। दो व्यक्तियों के विचारों, स्वभाव और रुचियों में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन हमेशा ध्यान रखें कि ये मतभेद कभी मनभेद न बनने पाएं। दूसरे को पूरी तरह बदलने के स्थान पर जब पति-पत्नी दोनों ही खुद को बदलने का प्रयास करते हैं, तो गृहस्थी में संतुलन बना रहता है, दांपत्य की गाड़ी बेहद स्थिरता से जीवन पथ पर निर्बाध दौड़ती है। इस करवा चौथ पर पति-पत्नी दोनों ही बहुत प्यार से संकल्प लें कि वे अपने दांपत्य जीवन की गाड़ी का संतुलन कभी बिगड़ने नहीं देंगे। घर-परिवार से जुड़े निर्णय परस्पर सहयोग और समझदारी से लेंगे।



बिताएं एक-दूसरे के साथ प्यार भरे पलः करवा चौथ पर ऑफिस से छुट्टी लेकर एक-दूसरे को भरपूर समय दें। मोबाइल फोन से दूरी बनाकर एक साथ कुछ मीठे पल बिताएं, कुछ अपनी कहें और कुछ दूसरे की सुनें। साथ-साथ बिताए गए कॉलेज टाइम के समय को याद करें। अगर आपके पास एक-दूसरे के कुछ पुराने पत्र या फोटोग्राफ हैं, तो उन्हें निकालकर देखें और पढ़ें। इन पत्रों और फोटोग्राफ्स की भावनाएं आपको एक बार फिर एक-दूसरे के प्रति प्यार की ऊर्जा से भर देंगी।

इमोशंस को करें सेलिब्रेटः करवा चौथ के दिन एक-दूसरे के इमोशंस को भी सेलिब्रेट करें। अपने पार्टनर के प्रति उन सभी इमोशंस को व्यक्त करें, जो आप आज तक अपने पति से नहीं कह पाई हैं। आप इसके लिए कागज पर लिखकर या फिर मोबाइल फोन के टेक्सट मैसेज का सहारा ले सकती हैं। इस दिन एक-दूसरे की पसंद-नापसंद का विशेष ध्यान रखें। अगर पिछले दिनों किसी बात पर अनबन या बहस होने से आप दोनों एक-दूसरे से नाराज चल रहे हैं, तो इस दिन सारे मतभेद भूलकर करवा चौथ को सेलिब्रेट करें। एक यादगार दिन बिताएं।

भविष्य की योजनाएं बनाएंः आप किसी भी उम्र की हों, इस दिन बीते समय की कड़वीं यादों को भूलकर आगे आने वाले समय को और अधिक बेहतर बनाने का प्रयास करें। बच्चों की पढ़ाई, शादी, आर्थिक योजनाएं और रिटायरमेंट की प्लानिंग पर खुलकर बातचीत करें। बातचीत करते समय ध्यान रखें कि भले ही कितने भी मतभेद हों, आप इसे बहस और वाद-विवाद तक न पहुंचने दें। दूर की सोचकर अपनी योजनाएं बनाएं और सुखद भविष्य की राह बनाएं।

खामियां नहीं खूबियां गिनेंः पति-पत्नी दोनों ही करवा चौथ के दिन एक-दूसरे की कमियां देखने के स्थान पर खूबियां गिनें। जब आप एक-दूसरे की खूबियां गिनना शुरू करेंगी, तो उनका उजला पक्ष आपके सामने होगा, सारी खामियां स्वतः धूमिल हो जाएंगी। एक-दूसरे की खूबियों की तारीफ से, प्यार को महसूस करने से करवा चौथ पर आपका दांपत्य जीवन फूलों सा खिल उठेगा, जिसकी महक से पति-पत्नी दोनों को एक अलग तरह की खुशी मिलेगी।

सरप्राइज प्लान करें: करवा चौथ के दिन को यादगार बनाने के लिए एक-दूसरे के लिए कुछ सरप्राइज प्लान करें। जरूरी नहीं है कि आप कोई महंगा गिफ्ट ही खरीदें, एक छोटा-सा बुके, पेन, ब्रांडेड पर्स, सूट या साड़ी भी आपकी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए काफी हो सकता है।

करवा चौथ के दिन पत्नियां अपने पति के मंगलमय जीवन के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। मनोविज्ञानी अध्ययन बताते हैं कि उपवास से सकारात्मक भावनाएं जन्म लेती हैं, इससे पति-पत्नी के बीच आपसी जुड़ाव और समर्पण बढ़ता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

करवा चौथ उपवास में निहित कई गहरे मनोवैज्ञानिक पहलू

शोध
अंजू जैन



मनोविज्ञान में लॉ ऑफ अट्रैक्शन और 'प्रार्थना की शक्ति' पर कई शोध हुए हैं। करवा चौथ के दिन जब एक पत्नी पूरे मन से अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती है, तो वह ब्रह्मांड में अत्यधिक शक्तिशाली सकारात्मक तरंगें भेजती है। किसी के लिए निरंतर शुभ सोचने से आपके मस्तिष्क से ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं। यह सकारात्मक माहौल पति के मानसिक तनाव को कम करता है। तनाव मुक्त रहने से हृदय रोग और उच्च रक्तचाप का खतरा कम होता है, जो सीधे तौर पर लंबी उम्र से जुड़ा है।

'ऑक्सीटोसिन' का स्राव और रिश्तों में जुड़ावः करवा चौथ के दिन पति-पत्नी के बीच का प्रेम और आकर्षण अपने चरम पर होता है। पति अपनी पत्नी को उपहार देता है, उसकी देखभाल करता है। पत्नी भी अपने पति के प्रति पूरी तरह समर्पित होती है। इस तरह के भावनात्मक जुड़ाव से शरीर में 'ऑक्सीटोसिन'(जिसे लव हार्मोन या बॉन्डिंग हार्मोन भी कहा जाता है) का स्तर तेजी से बढ़ता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, जिन पुरुषों का वैवाहिक जीवन सुखी होता है, जिन्हें अपनी पत्नी का भरपूर स्नेह मिलता है, उनमें कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से मरने का खतरा 30 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

सामूहिक अवचेतन की शक्तिः करवा चौथ के दिन महिलाएं एक साथ इकट्ठा होकर कथा सुनती हैं, पूजा करती हैं और थाली बंटाती हैं। मनोविज्ञान में इसे 'सामूहिक अवचेतन' या सामूहिक ऊर्जा कहा जाता है। जब सैकड़ों-हजारों लोग एक ही समय पर, एक ही उद्देश्य (पति की लंबी उम्र) के लिए एक जैसी सकारात्मक भावना के साथ इकट्ठा होते हैं, तो एक शक्तिशाली 'एनर्जी फील्ड' तैयार होता है। यह सामूहिक उत्सव महिलाओं के मानसिक तनाव को दूर करता है। एक खुशहाल और तनावमुक्त पत्नी ही एक पुरुष को घर में शांतिपूर्ण माहौल दे सकती है।

कृतज्ञता की भावनाः करवा चौथ का त्योहार मूल रूप से एक-दूसरे के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। पत्नी-पति की सुरक्षा के लिए व्रत करती है और पति-पत्नी के इस त्याग का सम्मान करते हुए उसे उपहार और जीवन भर साथ निभाने का वचन देता है 'जर्नल ऑफ पर्सनालिटी एंड सोशल साइकोलॉजी' में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, जो जोड़े एक-दूसरे के प्रति नियमित रूप से कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, उनका रिश्ता अधिक टिकाऊ और मजबूत होता है।

सहानुभूति और पारस्परिक समझः करवा चौथ केवल एक दिन की रस्म नहीं है, बल्कि यह आने वाले पूरे साल के लिए आपसी समझ की नींव रखता है। आधुनिक युग में कई पति भी अपनी पत्नियों के साथ इस व्रत को रखते हैं। जब दो लोग एक साथ किसी कठिन लक्ष्य (जैसे उपवास) को साझा करते हैं, तो उनके बीच सहानुभूति और 'मिररिंग इफेक्ट' पैदा होता है। यह साझा प्रयास आपसी मतभेदों और झगड़ों को समाप्त करता है।

चंद्र दर्शन और मानसिक शांतिः करवा चौथ के व्रत का समापन रात में चंद्रमा को अर्घ्य देकर और छलनी से पति का चेहरा देखकर होता है। यह पूरी प्रक्रिया प्रकृति से सीधे जुड़ाव को दर्शाती है। चंद्रमा की किरणें शीतलता और शांति का प्रतीक हैं। रात के समय खुले आसमान के नीचे प्रकृति के संपर्क में आने से मन शांत होता है। छलनी के माध्यम से देखना और दीप जलाना एकाग्रता को बढ़ाता है, जिससे पति-पत्नी दोनों का तंत्रिका तंत्र शांत और संतुलित होता है।

मेकअप
निधि गोयल

मेकअप करें ऐसा दमके चांद सा चेहरा

करवा चौथ के खास अवसर पर हर महिला चाहती है कि उसका लुक सबसे खूबसूरत नजर आए। इसके लिए परफेक्ट आउटफिट से लेकर मेकअप तक, हर बात मायने रखती है। मेकअप को आकर्षक और लंबे समय तक बरकरार रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

स्किन बेस करें तैयारः चेहरे को माइल्ड फेस वॉश से साफ करने के बाद हल्का मॉयश्चराइजर लगाएं। अगर दिन में बाहर जाना है, तो सनस्क्रीन लगाना न भूलें। इसके बाद कुछ मिनट स्किन को सेट होने दें।

प्राइमर को न करें इग्नोरः मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में प्राइमर काफी मददगार हो सकता है। इसे खासतौर पर टी-जोन, नाक और उन हिस्सों पर लगाएं, जहां त्वचा जल्दी ऑयली हो जाती है। बहुत ज्यादा प्राइमर लगाने के बजाय इसकी पतली लेयर लगाएं। इससे मेकअप सही तरह से टिका रहता है।

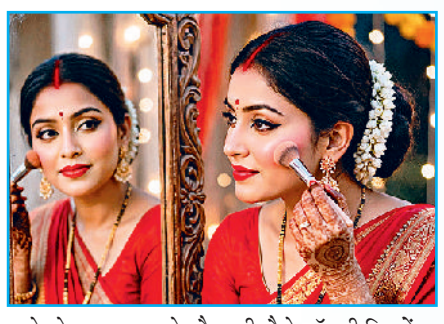

बेस न हो ज्यादा हैवीः त्योहार के दिन हैवी बेस लगाने के बजाय ऐसा फाउंडेशन चुनें, जो आपकी स्किन टोन से मैच करता हो। इसे स्पंज या ब्रश की मदद से अच्छी तरह ब्लेंड करें। जहां ज्यादा कवरेज की जरूरत हो, वहां कंसीलर का इस्तेमाल करें। बहुत मोटी लेयर लगाने से कुछ घंटों बाद बेस क्रैक या पैची दिखाई दे सकता है। इसलिए जरूरी है कि हल्की और पतली लेयर लगाएं।

पावडर से करें मेकअप सेटः फाउंडेशन और कंसीलर लगाने के बाद हल्के ट्रांसलूसेंट पावडर से मेकअप को सेट करें। खासकर नाक, माथे और ठुड्डी जैसे ऑयली हिस्सों पर ध्यान दें। इससे एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

स्मज-प्रूफ आई मेकअपः आप जब चेहरे पर बेस बना लें, तो उसके बाद आई मेकअप करें। लंबे समय तक आई मेकअप को मेंटेन करने के लिए वॉटरप्रूफ या लॉन्ग-वियर आईलाइनर और मस्कारा चुनें। आई शैडो लगाने से पहले आई प्राइमर या थोड़ी-सी कंसीलर की पतली लेयर इस्तेमाल की जा सकती है। इससे आई-शैडो को बेहतर बेस मिल सकता है।

लॉन्ग-लास्टिंग लिपस्टिकः लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को मॉयश्चराइज करें। इसके बाद लिप लाइनर से होंठों को आउटलाइन करके उसी से हल्का फिल करें और फिर लिपस्टिक लगाएं। लंबे समय तक टिके रहने के लिए मैट या लॉन्ग-वियर फॉर्मूला चुन सकती हैं।

मेकअप सेटिंग स्प्रेः अंत में मेकअप होने के बाद मेकअप सेटिंग स्प्रे करें। इसे चेहरे से थोड़ी दूरी पर रखकर लगाएं और फिर मेकअप को अपने आप सूखने दें। इससे मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा, आपका रूप दमकता रहेगा।

(मेकअप एक्सपर्ट साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डाइट सजेशन
रितिका समादार
चीफ डाइटीशियन
मैक्स हॉस्पिटल, दिल्ली

करवा चौथः ऐसी हो आपकी सरगी

करवा चौथ के दिन सुबह व्रत से पूर्व खाई जाने वाली सरगी हेल्थ के लिए बहुत मायने रखती है। इसलिए आपको पता होना चाहिए कि सरगी में आप क्या खा सकती हैं और किसे अवॉयड करना चाहिए?

आने वाले गुरुवार को आप करवा चौथ व्रत रखेंगी। आपने पूरे उत्साह के साथ इसकी तैयारी शुरू कर दी होगी। इसके साथ ही आपको अपने खान-पान का भी ध्यान रखना चाहिए। खासतौर पर सरगी में आपको क्या लेना चाहिए, इस बारे में जानिए। करवा चौथ में सूर्योदय चंद्रोदय तक लगभग 15 घंटे का निर्जल उपवास होता है। व्रत वाले दिन सूर्योदय से पहले यानी सुबह 4-5 बजे सरगी खाने की परंपरा है। इस लंबे उपवास से पहले खाया जाने वाला भोजन बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे न केवल पूरे दिन कार्यों को करने की एनर्जी मिलती है, बल्कि डिहाइड्रेशन, एसिडिटी और थकान से भी बचाव होता है।

पर्याप्त तरल पदार्थः इस व्रत में सुबह से रात में चांद निकलने तक पानी पीना भी मना होता है, इसलिए सरगी के समय सादा पानी, नीबू पानी और नारियल पानी का सेवन करें। इससे आपका शरीर हाइड्रेट रहेगा और गला सूखने की समस्या नहीं होगी। लस्सी, छाछ या दूध का भी एक ग्लास ले सकती हैं।



लो डाइजेस्टिव कार्ब-प्रोटीनः सरगी में ऐसे कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन से जुड़ी चीजों का सेवन करना चाहिए, जिनका पाचन धीमी गति से होता है। ऐसा करना इसलिए जरूरी है कि इससे अगले दिन भी आपका पेट भरा हुआ महसूस होगा और भूख नहीं लगेगी। इसके लिए ड्राई फ्रूट्स या नट्स के साथ बना हुआ दलिया, खीर या सिंवईं बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा कम ऑयल में बना हुआ पनीर का परांठा भी आपको भरपूर एनर्जी देगा। ऐसी चीजों के सेवन से आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और प्रोटीन का पोषण मिल जाएगा।

फलों का सेवनः सेब, पपीता, अनार, संतरा और तरबूज जैसे फल नेचुरल शुगर, फाइबर और विटमिन से भरपूर होते हैं। इनके सेवन से शरीर में पानी की कमी भी दूर होती है। केला पोटेशियम से भरपूर होता है, जो शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का संतुलन बनाए रखता है। अनार, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट तत्वों से भरपूर होता है। निर्जला व्रत से पहले सरगी में फलों का सेवन करने से अगले दिन शरीर में पानी की कमी महसूस नहीं होती।

डेयरी प्रोडक्ट्सः दूध, दही, पनीर, लस्सी और छाछ भी कैल्शियम और प्रोटीन के बहुत अच्छे स्रोत हैं। दही में मौजूद प्रोबायोटिक तत्व पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं और इससे पेट में ठंडक बनी रहती है। चाहें तो नट्स के साथ दही का भी सेवन कर सकती हैं। अगर आप वीगन डाइट लेना चाहती हैं, तो नारियल या बादाम के दूध का सेवन कर सकती हैं।

क्या न करें: बहुत ज्यादा मीठी डिशेज का सेवन करने से शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ जाती है और इससे ज्यादा भूख लगती है। तेज नमक वाली चीजें खाने से बचें, इससे डिहाइड्रेशन की समस्या होती है और ज्यादा प्यास लगती है। जहां तक संभव हो चाय-कॉफी से दूर रहें या इनका सेवन बहुत सीमित मात्रा में करें। इनके ज्यादा सेवन से गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। ज्यादा घी, तेल या मिर्च मसाले वाली चीजों से भी दूर रहें, इससे अगले दिन पेट में भारीपन और पाचनतंत्र से सबंधी समस्या हो सकती है। अगर आप इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगी, तो व्रत के दौरान कोई समस्या नहीं होगी।

प्रस्तुतिः विनीता

खबर संक्षेप

पुलिस ने युवाओं को दिया नशे से दूर रहने का संदेश



कुंड। पुलिस की ओर से अपराध की रोकथाम और सामाजिक कुरीतियों के खात्मे के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। प्रबंधक थाना खोल निरीक्षक गजराज सिंह एवं उनकी पुलिस टीम ने पुलिस-पब्लिक संवाद कार्यक्रम के तहत गांव खोल में मौजिज व्यक्तियों के साथ बैठक का आयोजन किया। बैठक में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। इस संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण आंचल में युवाओं को नशे जैसी घातक सामाजिक बुराई के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सही मार्ग दिखाना था। बैठक के दौरान पुलिस टीम ने ग्रामीणों और विशेषकर युवा पीढ़ी से सीधा संवाद स्थापित किया। इंस्पेक्टर गजराज सिंह ने युवाओं को प्रेरित करते हुए नशा छोड़ो, शिक्षा व खेलों से नाता जोड़ो का स्पष्ट संदेश दिया। पुलिस अधिकारियों ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों, उच्च शिक्षा और खेलों में लगाएं।

बाल भवन सभागार में धूमधाम से मनाया महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह

महर्षि वाल्मीकि के जीवन से युवाओं शिक्षा ग्रहण करने की लेनी चाहिए प्रेरणा : विनीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी





रेवाड़ी। बाल भवन में कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। व कोसली में महर्षि वाल्मीकि को नमन करते गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

महर्षि वाल्मीकि ने हजारों साल पहले विश्व विख्यात रामायण रुपी जिस महाकाव्य की रचना की थी, उसका आज तक केवल अनुसरण ही हो पाया है। ऐसा सर्वश्रेष्ठ महान ग्रंथ कभी दोबारा नहीं लिखा गया। सोमवार को मॉडल टाउन स्थित बाल भवन सभागार में जिला प्रशासन व सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से आयोजित किए गए महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि नगर परिषद की चेयरपर्सन विनीता पीपल ने ये उद्गार व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष डा.वंदना पोपली ने की। एसडीएम दलबीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह का शुभारंभ किया। चेयरपर्सन विनीता पीपल ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारत देश के आदि कवि माने जाते हैं। उनके जीवन से वर्तमान पीढ़ी को कड़ी मेहनत और शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन हमें जीवन में महान विभूतियों के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरणा देते हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार द्वारा संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना चलाई जा रही है। चेयरपर्सन व भाजपा जिलाध्यक्ष ने सफाई कर्मचारियों को उनकी कर्मठ सेवा के लिए सम्मानित किया। समारोह में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रवीन शर्मा, जिला कार्यालय सचिव सत्यपाल धूपिया, दिनेश खिच्ची, गुलशन कुमार, भाजपा एससी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दारा सिंह, मुकेश सारवान, सुनील मेंहदीरत्ता व सुरेश कुमार आदि रहे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सरपंच रामकिशन, डीएन भारद्वाज, डा प्रदीप बिठला, दयावान, कैलाश बाई, सतबीर सिंह, कृष्ण, संदीप, शारदा देवी, युद्धवीर, अधिवक्ता रतन सिंह, लखन मास्टर, सुरेश सरपंच, विक्रम, रमेश, बीर सिंह और साहिल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वाल्मीकि जयंती पर सामाजिक एकता का दिया संदेश

कोसली गांव के पंचायत घर में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोसली थाना एसएचओ विद्यासागर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विचार गोष्ठी में महर्षि वाल्मीकि के जीवन, उनकी शिक्षाओं और सामाजिक एकता के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य अतिथि विद्यासागर ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर समाज को आदर्श जीवन, सत्य, मर्यादा और नैतिक मूल्यों का संदेश दिया। रामायण हिंदू समाज की आस्था का प्रमुख ग्रंथ है और इसकी शिक्षाएं आज भी लोगों को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से आपसी भाईचारा, प्रेम और सामाजिक समरसता मजबूत होती है। ओमप्रकाश डाबला ने कहा कि इंसान की पहचान उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से होती है। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसा महान ग्रंथ लिखकर दुनिया को सत्य, न्याय, मर्यादा और मानवता का रास्ता दिखाया। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के संदेश को अपनाने तथा समाज में आपसी सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने पर जोर दिया।



रेवाड़ी। आम सभा में अतिथियों का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

माता रमाबाई की कार्यकारिणी हुई भंग, चुनाव 13 दिसंबर को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था की ओर से आजाद नगर में संस्था की वार्षिक आम सभा का आयोजन प्रधान इंजीनियर बुधराम पंवार की अध्यक्षता तथा जिला रजिस्ट्रार फर्म एवं सोसायटी से पर्यवेक्षक कमांडेंट राज कुमार यादव की उपस्थिति में किया। संस्था प्रधान इंजीनियर बुधराम पंवार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके बाद कोषाध्यक्ष नारायण सिंह तंवर ने संस्था की वित्तीय स्थिति के तहत वर्ष 2025-26 की बैलेंस शीट तथा 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबरतक की प्राप्ति व भुगतान का विवरण रखा। संस्था की ओर से अभी तक किए गए सभी कार्यक्रमों को पीपीटी के माध्यम से दिखाया गया। सभा में प्रस्तुत मुख्य प्रस्ताव जैसे कि आज तक संस्था के बने सदस्यों को अनुमोदित करना, उनके आवेदनों को स्वीकृति प्रदान करना, कार्यकारिणी का विस्तार करके 21 सदस्यों तक करना तथा हाउस के सामने संस्था की भावी योजना तैयार की गई।

दी जानकारी

पर्यवेक्षक राज कुमार ने संस्था की ओर से किए गए कार्यों को सराहाना करते हुए कहा कि संस्था में जो कार्य किए गए उनमें कार्यकारिणी ने पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा है। द्वितीय सत्र की समाप्ति से पहले प्रधान इंजीनियर बुधराम पंवार ने जनरल मीटिंग में मौजूदा कार्यकारणी को भंग किया तथा आचार संहिता की घोषणा की। इसके बाद आगामी चुनाव के शेड्यूल बारे चर्चा की गई तथा 13 दिसंबर को संस्था के आम चुनाओं के बारे में जानकारी दी।

प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी समाज के लिए गंभीर चुनौतीः डॉ. वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी



रेवाड़ी। चालकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते हुए।

महर्षि वाल्मीकि जयंती एवं महाराजा अजमीढ़ जयंती के अवसर पर हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से बस अड्डा स्थित चालक प्रशिक्षण संस्थान में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उपनिरीक्षक डा. अशोक कुमार वर्मा साइकिल के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंच कर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। कार्यक्रम में चालक प्रशिक्षण संस्थान के प्रभारी दिनेश कुमार की उपस्थिति में 78 चालक प्रशिक्षुओं, पांच कर्मचारियों तथा अन्य लोगों ने भाग लिया।

नशा न करने का ले संकल्प

प्रत्येक व्यक्ति को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह न तो स्वयं नशा करेगा और न ही किसी दूसरे व्यक्ति को नशे की ओर बढ़ने देगा। उन्होंने कहा कि नशे की लत से पीड़ति व्यक्ति को तिरस्कार की दृष्टि से देखने के बजाय उसके उपचार और पुनर्वास में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी समाज के लिए गंभीर चुनौती है।

मधुमक्खी पालन मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल, नुकसान पर में मिलेगा आर्थिक लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मधुमक्खी पालन को मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल किया है। योजना के माध्यम से मधुमक्खी पालकों को प्राकृतिक आपदाओं सहित विभिन्न कारणों से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि सरकार की इस पहल से मधुमक्खी पालन से जुड़े किसानों एवं उद्यमियों को लाभ मिलेगा। साथ ही मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहन और इस क्षेत्र से जुड़े किसानों को आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मुआवजे के लिए ये रहेगी पात्रता योजना के तहत बाढ़ की स्थिति में मधुमक्खी के बक्सों और कॉलोनियों के पानी में डूब जाने, आग लगने से मधुमक्खी के बक्से ओर कालोनियां खराब होने पर, ट्रांसपोर्टेशन के दौरान बक्सों एवं कॉलोनियों का दुर्घटना से नुकसान होने पर, बशर्ते दुर्घटना हरियाणा राज्य के अंदर हुई हो तथा उसकी एफआईआर-डीडीआर दर्ज हो व मधुमक्खी में महामारी के कारण नुकसान होने पर योजना के लिए लाभ पात्र होंगे।

250 कॉलोनियों व बक्सों पर मिलेगा मुआवजा

योजना के तहत प्रति मधुमक्खी पालक के पास अधिकतम 250 मधुमक्खी कॉलोनियां और बक्से हो, भावांतर भरपाई योजना-शहद के तहत पंजीकरण अनिवार्य, तथा प्रत्येक मधुमक्खी बॉक्स पर भावांतर भरपाई योजना का यूनिक नंबर दिया जाना अनिवार्य है। योजना में बीमा फीस 50 रुपए प्रति कॉलोनी तथा 50 रुपए प्रति बॉक्स निर्धारित है। वहीं, बीमा राशि 1250 रुपए प्रति कॉलोनी तथा 1250 रुपए प्रति बॉक्स व अधिकतम बीमा राशि 3 लाख 12 हजार 500 रुपये प्रति कॉलोनी तथा 3 लाख 12 हजार 500 रुपए प्रति बॉक्स दर्शाई गई है।

पोक्सो एक्ट का उद्देश्य यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार से सुरक्षा करनाः शर्मा

नालसा के जागरूकता अभियान सुरक्षित बचपन अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी



रेवाड़ी। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक का मंचन करते हुए छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

जिला एवं सत्र न्यायाधीश संगीता राय सचदेवा के मार्गदर्शन व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. रेनू सोलखे की देखरेख में सोमवार को गवर्नमेंट सीनियर सैकेंडरी स्कूल शहबाजपुर पदैयावास में पोक्सो एक्ट 2012 को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अधिवक्ता हरिश कुमार शर्मा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की तथा बच्चों को पोक्सो एक्ट 2012 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पोक्सो एक्ट 8 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न और अश्लीलता से बचाने के लिए है। इस एक्ट के तहत पीड़ति बच्चे की पहचान मीडिया या सार्वजनिक रूप से करना कानूनी अपराध है। इस अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को यौन उत्पीड़न, यौन शोषण, यौन दुर्व्यवहार और बाल पोर्नोग्राफी से बचाकर उनकी सुरक्षा करना और उनकी गरिमा को बनाए रखना है। कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सतीश मस्तान तथा उनकी टीम ने पोक्सो एक्ट, नशा मुक्ति तथा बाल विवाह पर नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसमें मोनिका, मनीषा, मुस्कान, मोहिनी, आरती तथा किस्मत ने बच्चों को नशे से दूर रहने का संदेश भी दिया। वही बच्चों को नशे से दूर रहने और बाल विवाह नहीं करने की शपथ भी दिलाई गई। हरीश शर्मा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हेल्पलाइन नंबर 01274-220062 चलाया हुआ है जिस पर कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बरधाना व बैरवाल में नशे व साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक



रेवाड़ी। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने सोमवार को अभियान के दौरान गांव बधराना और बैरवाल में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों व साइबर अपराधों से बचाव को लेकर जागरूक किया। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। उन्होंने ग्रामीणों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। इसके साथ ही नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहकर किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए तथा साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। नशा मुक्ति टीम ने अपील करते हुए कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति में तुरंत डायल 112 पर सूचना दें। इसके अलावा नशा गतिविधियों की सूचना मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करें।

समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने उदयन केयर संस्था का किया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की ओर से विद्यार्थियों को सामाजिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से धारूहेड़ा स्थित उदयन केयर संस्था के शैक्षणिक भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि व्यावहारिक अनुभव ही ज्ञान को परिपक्व बनाता है। उन्होंने कहा कि समाज कार्य केवल एक पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता की सेवा और सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। युवा विद्यार्थियों को समाज की चुनौतियों को निकट से समझकर उनके सकारात्मक समाधान की दिशा में कार्य करना चाहिए। कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने कहा कि कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को जब तक जमीनी स्तर के अनुभवों से नहीं जोड़ा जाता, तब तक शिक्षा अधूरी रहती है। कुलपति ने हरी झंडी दिखाकर विद्यार्थियों की बस को रवाना किया। उदयन केयर संस्था पहुंचने पर संस्था के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को संस्था की कार्यप्रणाली एवं विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया।



रेवाड़ी। विद्यार्थियों को रवाना करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस दौरान धर्मेंद्र कुमार सहायक प्रबंधक, हितधारक प्रबंधन, टिंकू सिंह केंद्र समन्वयक, सुनील कुमार मृदु कौशल प्रशिक्षक तथा हरीश कुमार ई-वाहन प्रशिक्षक ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कौशल विकास और संस्था द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. सतीश कुमार तथा शिक्षक डा. सतेंद्र, सतीश व मनीषा मौजूद थे।

अपील पुलिस अधीक्षक ने आमजन को साइबर सुरक्षा पर दी जानकारी

सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचें नागरिक : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के बीच साइबर अपराधियों की ओर से अपनाए जा रहे नए-नए हथकंडों को देखते हुए एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने आमजन के लिए सोशल मीडिया प्रोफाइल सुरक्षा व साइबर सतर्कता को लेकर आवश्यक एडवाइजरी जारी की है। एसपी ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारियों को सार्वजनिक करना साइबर अपराधियों और असामाजिक तत्वों के लिए धोखाधड़ी का आसान जरिया बन रहा है। एसपी ने कहा कि प्रायः देखा गया है कि लोग फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने जन्मदिन, कार्यस्थल, रिश्तेदारों की जानकारी तथा यात्रा कार्यक्रमों का ब्योरा सार्वजनिक रूप से साझा करते हैं। साइबर ठग इन्हीं जानकारियों का उपयोग करके रिश्तेदारों या परिजनों के नाम पर आपातकालीन स्थिति का बहाना बनाकर पैसे ऐंठते हैं। जन्मतिथि व निजी विवरणों का प्रयोग कर पासवर्ड व सुरक्षा प्रश्नों को ट्रैक या क्रैक करने का प्रयास करते हैं। यात्रा के दौरान घर से दूर होने की जानकारी का फायदा उठाकर चोरी या अन्य आपराधिक वारदातों की योजना बनाते हैं। प्रोफाइल क्लोनिंग कर परिचितों से ठगी करते हैं। यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी या ब्लैकमेलिंग का शिकार होता है, तो वह बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा साइबर पोर्टल साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर अपनी शिकायत दर्ज कराए।

पुलिस की ओर से जारी जरूरी निर्देश



अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्राइवेसी सेटिंग्स को हमेशा फ्रेंडस ओनली या प्राइवेट पर रखें, ताकि आपकी पोस्ट्स केवल भरोसेमंद लोग ही देख सकें। कहीं बाहर जाने या यात्रा पर होने की लाइव लोकेशन और टिकट्स/बोर्डिंग पास की तस्वीरें पोस्ट करने से बचें। यात्रा पूरी होने के बाद ही तस्वीरें साझा करें। सोशल मीडिया बायो या प्रोफाइल में अपना मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, बैंक विवरण, कार्यस्थल का सटीक पता और जन्मतिथि जैसी संवेदनशील जानकारियों को कभी सार्वजनिक न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट या फॉलो रिक्वेस्ट को बिना पहचान सत्यापित किए स्वीकार न करें।

यादव सभा का वार्षिक उत्सव 22 को, विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त अभ्यर्थी होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की ओर से गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में जिला कार्यकारिणी की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान रामबीर यादव ने की। जसवंत सिंह यादव ने सभा की विभिन्न गतिविधियों का ब्योरा पेश किया। इस मौके पर डा. एल एस यादव ने बताया कि 22 नवंबर को आयोजित किए जाने वाले वार्षिक उत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी है। इसके लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। प्रो. सतीश यादव ने वार्षिक उत्सव व प्रतिभा प्रोत्साहन सम्मान समारोह के आयोजन व तैयारियों को लेकर सभा के सदस्यों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नामांकन जमा करने की तारीख 5 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। प्रधान रामबीर यादव ने बताया कि 12वे वार्षिक उत्सव को महिलाओं को समर्पित करते हुए महिलाओं को ही मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि आमंत्रित किया गया है।भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा, विदेश सेवा एवं अलाउड सर्विसेज, खेल (राज्य एवं विश्वविद्यालय स्तर पर पुरुस्कार प्राप्त), साहित्य (10 वर्ष में लगभग 50 पेज की पांच पुस्तकें प्रकाशित), कला, संस्कृति व समाज क्षेत्र, कृषि क्षेत्र तथा महिला सशक्तिकरण में प्रशंसनीय कार्य करने वाले वाले पुरुष एवं महिलाएं। सरकारी-सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज में प्राचार्य के पद पर डायरेक्ट नियुक्ति प्राप्त पुरुष एवं महिलाएं। सरकारी-सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज-विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के स्थाई पद पर नियुक्त छात्र-छात्राएं, एनडीए-सीडीएस में नियुक्ति, पैरामिलिट्री फोर्सेज-सर्विसेज में असिस्टेंट कमांडेंट-डिप्टी कमांडेंट के पद पर नियुक्ति, राष्ट्रपति-राज्यपाल से सम्मानित, नेट-जेआरएफ में चयनित व पीएचडी डिग्री प्राप्त, करने वाले अभ्यर्थियों को सम्मानित किया जाएगा।



रेवाड़ी। सभा के सदस्यों को संबोधित करते प्रधान रामबीर यादव।

ये रहे मौजूद

मीटिंग में प्रो. आर एस यादव, कमांडेंट आर के यादव, बाबू जगजीत सिंह, डा. आर के यादव, पी एस यादव, दलीप सिंह, जगत सिंह, डा. अनिल, संजय यादव, दुलीचंद, कर्ण सिंह, समय सिंह, अमर सिंह, गोकल राम, राम सिंह, राम अवतार, धर्मबीर, इंद्रजीत, धर्म सिंह व बिक्रम मौजूद रहे।

कमियां पाए जाने वाले केंद्रों पर लगेगा ताला, आधा दर्जन से ज्यादा पर गिर सकती है गाज

नियम ताक पर रखकर चलने वाले केंद्रों पर शिकंजा, आरटीए ने चेक किए प्रदूषण जांच केंद्र

कई केंद्र संचालक सूचना मिलने के बाद ताला लगाकर मौके से गायब हो गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

वाहनों के प्रदूषण की जांच के नाम पर खानापूर्ति करने वाले केंद्रों पर आरटीए स्टाफ ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। लगभग एक दर्जन प्रदूषण जांच केंद्रों में से आधे में खामियां मिलने की आशंका है। जांच के बाद इन केंद्रों को बंद करा दिया जाएगा।

आरटीए कार्यालय के इंस्पेक्टर विकास यादव के नेतृत्व में एक टीम ने सोमवार को जिले के प्रदूषण जांच केंद्रों की चेकिंग शुरू की। इससे नियमों को ताक पर रखकर चल रहे केंद्र संचालकों में हड़कंप मच गया। कई केंद्र संचालक सूचना मिलने के बाद ताला लगाकर मौके से गायब हो गए। आरटीए स्टाफ ने जिले के सभी केंद्रों का निरीक्षण करने का निर्णय लिया है। पहले दिन लगभग एक दर्जन केंद्रों की जांच की गई, जिनमें से आधे नियमों के अनुसार नहीं चलते पाए गए। आरटीए सचिव की ओर से ऐसे केंद्रों को जल्द बंद कराने का निर्णय लिया गया है। जानकार सूत्रों के अनुसार कई प्रदूषण जांच केंद्रों पर वाहनों का प्रदूषण चेक करने की मशीनें तक सही कार्य नहीं कर रही हैं। कंप्यूटर से वाहन की नंबर प्लेट लेने के बाद प्रदूषण सर्टिफिकेट बना दी जाती है। ऐसे में प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले वाहनों को भी प्रदूषण सर्टिफिकेट आसानी से मिल जाता है।



रेवाड़ी। प्रदूषण जांच केंद्रों पर जांच करते आरटीए टीम। फोटो : हरिभूमि

एनसीआर में प्रदूषण की समस्या

सर्दी के मौसम में एनसीआर में प्रदूषण की समस्या ज्यादा रहती है। वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण को बढ़ावा देता है। प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था में प्रदूषण जांच केंद्रों की अहम भूमिका होती है। इन केंद्रों पर वाहनों से निकलने वाले धुएं की जांच कर निर्धारित मानकों के अनुसार प्रदूषण प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं। ऐसे में जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और निर्धारित नियमों का पालन जरूरी है। यदि जांच केंद्र संचालक लापरवाही बरतते हैं तो इसका सीधा असर वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण की व्यवस्था पर पड़ सकता है।

जांच में सामने आई कई खामियां

आरटीए की टीम ने जिले में संचालित प्रदूषण जांच केंद्रों का निरीक्षण कर उनकी कार्यप्रणाली को परखा। एक दर्जन से अधिक केंद्रों की जांच के दौरान कई स्थानों पर कमियां पाई गईं। इससे प्राधिकरण की निगरानी व्यवस्था में ऐसे केंद्रों की पहचान हुई है जहां नियमों के अनुसार काम नहीं किया जा रहा था। विभाग अब इस मामले में सख्त रुख अपनाने के मूड में है। जांच के बाद जिन केंद्रों पर खामियां मिलेंगी, उन्हें आरटीए की ओर से जल्द बंद कराने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नियमों की अनदेखी पर एक्शन

विभाग की ओर से स्पष्ट संकेत दिए गए हैं कि प्रदूषण जांच के नाम पर मनमानी करने वाले केंद्रों को बख्शा नहीं जाएगा। जिन केंद्रों पर नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। गंभीर खामियां मिलने अथवा निर्धारित शर्तों का पालन नहीं करने वाले केंद्रों को बंद कराने तक का कदम उठाया जा सकता है।

वास्तविक जांच करना जरूरी

प्रदूषण जांच केंद्रों की जिम्मेदारी केवल प्रमाणपत्र जारी करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वाहनों की वास्तविक स्थिति के अनुरूप जांच करना भी जरूरी है। यदि जांच प्रक्रिया में लापरवाही होती है तो प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की पहचान करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में आरटीए विभाग की कार्रवाई को प्रदूषण जांच व्यवस्था में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बंद कराए जाएंगे खामियों वाले केंद्र

जिले के सभी प्रदूषण जांच केंद्रों की जांच शुरू की गई है। प्रदूषण की समस्या को देखते हुए ऐसे केंद्रों को तत्काल बंद करा जाएगा, जो जांच के नाम पर लीपापोती करते हैं। सही दस्तावेज और मशीनें नहीं रखने वालों पर भी एक्शन लिया जाएगा।

- विकास कौशिक, सचिव, आरटीए।

नुक्कड़ नाटक से दिया नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश


रेवाड़ी। ट्रामा सेंटर में नशे के खिलाफ नुक्कड़ नाटक का मंचन करती छात्राएं।

■ नशे व साइबर अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

पुलिस व जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को ट्रॉमा सेंटर व महर्षि वाल्मीकि चौक पर नशा विरोधी एवं साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसएचओ सिटी सूबे सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सतीश मस्तान के निर्देशन में भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय रीजनल सेंटर कृष्ण नगर की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर आमजन को नशे व साइबर अपराध के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में छात्रा मनीषा, किस्मत, मोनिका, आरती, मुस्कान और मोहिनी ने नशे से होने वाले सामाजिक, शारीरिक और मानसिक नुकसान को दर्शाया। छात्राओं ने लोगों को समझाया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति का स्वास्थ्य खराब करती है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का आह्वान किया। ट्रामा सेंटर में नरेश कुमार चौकी इंचार्ज, संजय मनचंदा, सुनीता यादव, संयोगिता, इंदु, बबीता, विजय रानी एवं शैली सहित पुलिस की टीम मौजूद रही। वाल्मीकि चौक पर नगर परिषद की चेयरमैन विनीता पिप्पल, वाइस चेयरमैन निखिल मांढैया, पार्षद मनीष टिकानिया, पूर्व पार्षद सुरेश सैनी, पूजा पार्षद, नीरज पार्षद, देवेंद्र पार्षद व ट्रैफिक इंचार्ज बलवंत सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने आमजन को नशे व साइबर अपराध से बचने का संदेश दिया। नशे व साइबर अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई। उपस्थित लोगों ने भी नशे का सेवन न करने और अपने आसपास के लोगों को नशे से बचाने के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया।

मार्केट न्यूज

कॉलेज में आज होगा थैलेसीमिया जागरूकता एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम

रेवाड़ी। रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी सिटी तथा केएलपी कॉलेज की एनएसएस इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में 27 अक्टूबर मंगलवार को थैलेसीमिया जागरूकता एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में एगिलस डायग्नोस्टिक्स के सहयोग से थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसकी जांच के महत्व पर जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि रेवाड़ी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र दहिया विशिष्ट अतिथि होंगे। हेमेटोलॉजिस्ट रोटेरियन डॉ. प्रवास मिश्रा मुख्य वक्ता के रूप में थैलेसीमिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करेंगे। कार्यक्रम में एगिलस डायग्नोस्टिक्स के लैब निदेशक डॉ. गजेंद्र यादव का विशेष सहयोग रहेगा। आयोजन का उद्देश्य थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर स्क्रीनिंग के महत्व को समझाना तथा इस बीमारी की रोकथाम के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के आयोजन में रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी सिटी की अध्यक्ष रोटेरियन विनिता यादव, मानद सचिव रोटेरियन रिम्पी गर्ग, उपाध्यक्ष डॉ. सुमित्रा यादव, अध्यक्ष-निर्वाचित कुसुम सोनी व इवेंट चेयर डॉ. करतार यादव की प्रमुख भूमिका रहेगी।

भगवान परशुराम शिक्षा समिति ने शरद पूर्णिमा पर हवन कर मांगी सुख-समृद्धि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर भगवान परशुराम शिक्षा समिति परिसर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम के तहत हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सत्य प्रकाश गौतम ने की। यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में सीआईडी के सेवानिवृत्त निरीक्षक अजय शर्मा तथा सेवानिवृत्त वरिष्ठ अध्यापक तेजभान कुकरेजा ने सहभागिता की। आचार्य विशाल शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूर्ण विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। धार्मिक अनुष्ठान में मुकेश ठेकेदार तथा गजराज दम्पति ने भी हवन में आहुति देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। हवन के बाद समिति के अध्यक्ष गौतम ने भवन निर्माण कार्य को गति देने की जानकारी दी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि संस्था के सभी रुके हुए और नए निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएंगे। हिमालय परिवार के प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण शर्मा ने कहा कि ग्रामीण उत्थान और युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए शीघ्र ही स्किल डेवलपमेंट योजना के तहत कार्य शुरू किए जाएंगे।


रेवाड़ी। कार्यक्रम में हवन करते हुए समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

138 मरीजों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

खोल। गांव सीहा के बाबा रामस्वरूपदास दादूपंथी आश्रम में सोमवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। आश्रम के महंत नरोत्तमदास महाराज, अस्पताल संचालक डा. विक्रम यादव, डा. अनुपमा यादव व डा. मंजीत यदुवंशी ने शिविर का शुभारंभ किया। दीपदास महाराज ने शिविर में व्यवस्थापक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई। शिविर में 138 मरीजों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई, जिनमें आंखों की जांच के मरीज, बीपी, ब्लड शुगर व हृदय के मरीज शामिल थे। सभी मरीजों को निःशुल्क परामर्श देकर दवाइयां वितरित की गईं। इस मौके पर महंत नरोत्तम दास ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे शिविर लगाना पुण्य का कार्य है, क्योंकि आर्थिक स्थिति से कमजोर आदमी इन शिविरों में अपने स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच करा सकता है। इस मौके पर इंस्पेक्टर रवि मोरध्वज, सुशील पंडित व दीपेंद्र चौहान मौजूद थे।


रेवाड़ी। कैंप में स्वास्थ्य जांच करते हुए डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

बंद मकान में जेवर-नकदी चोरी, कैमरे में कैद 2 संदिग्ध

नारनौल। सदर थाना क्षेत्र के गांव भूषण खुर्द में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाकर करीब दो लाख रुपये के जेवर, 10 हजार रुपये नकद और घरेलू सामान चोरी कर लिया। घटना के समय मकान मालिक परिवार के साथ बाहर था। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग में दो संदिग्ध दिखाई देने की बात सामने आई है। सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और केस दर्ज कर लिया। गांव भूषण खुर्द निवासी अनिल कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह नीमराना में परचून की दुकान चलाते हैं, जबकि उनके बच्चे गुरुग्राम में नौकरी करते हैं। 13 अक्टूबर को उनके घर में कार्यक्रम था। कार्यक्रम के बाद 15 अक्टूबर को वह मकान पर ताला लगाकर चले गए। 25 अक्टूबर को वापस लौटे तो घर के ताले और सामान की स्थिति देखकर उन्हें चोरी होने का पता चला। शिकायत के अनुसार चोर घर से चांदी के कंगन, दो जोड़ी कानों की बालियां, पाजेब, सोने की नोजपिन और 10 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। इसके अलावा रसोई में रखा गैस सिलेंडर और एक संदूक भी गायब मिला।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260



रेवाड़ी। महक को सम्मानित करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

महक का एकेएफआई स्टेट जूनियर चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन

बावल। ज्ञानदीप इंटरनेशनल स्कूल दुल्हेड़ा खुर्द की होनहार छात्रा महक ने खेल के मैदान में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। महक ने हिसार में आयोजित एकेएफआई स्टेट जूनियर चैंपियनशिप में रेवाड़ी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए बेहतरीन खेल दिखाया और तीसरा स्थान हासिल किया। विद्यालय की प्राचार्या प्रोमिला शर्मा और चेयरपर्सन शशिबाला यादव ने महक को इस उपलब्धि पर बधाई दी तथा सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि महक की यह जीत पूरे जिले और स्कूल के लिए गर्व का क्षण है। जिले की बेटियां हर मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं।

सीहा में धूमधाम से मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

■ हजारों साल पहले वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में रामायण को सबसे पहले लिखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खोल

गांव सीहा में महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। सरपंच प्रतिनिधि दीपक यादव व सामाजिक कार्यकर्ता इंस्पेक्टर रवि मोरध्वज ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर दीपक यादव ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने हजारों साल पहले विश्व विख्यात रामायण रुपी जिस महाकाव्य की रचना की थी, उसका आज तक केवल अनुसरण ही हो पाया है। ऐसा सर्वश्रेष्ठ महान ग्रंथ कभी दोबारा नहीं लिखा गया। इंस्पेक्टर मोरध्वज ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारत देश के आदि कवि माने जाते हैं। उनके जीवन से वर्तमान पीढ़ी को कड़ी मेहनत और शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा लेनी चाहिए। हजारों साल पहले उन्होंने संस्कृत भाषा में रामायण को सबसे पहले लिखा, जिसका आज भी श्रद्धा भाव से मनन किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन हमें जीवन में महान विभूतियों के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरणा देते हैं। सुमित सारवान ने अतिथियों का आभार जताया।


रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

ये मौजूद रहे

इस मौके पर श्यामलाल,सुमित सारवान, प्रदीप, होशियार, विजय, मुकेश, बिट्टू, धर्मेंद्र, सुरेश, संजय, सूरज, चरण सिंह, अंकेश, जतिन, कार्तिक, राहुल, हर्ष, अक्षय व रमेश आदि मौजूद थे।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि एवं हरियाणा वित्त विभाग के निदेशक राजेश गुप्ता ने लक्की ड्रा निकाला

मेले में उमड़ी भीड़, लक्की ड्रा में नीतू ने कार, दिशा व समर्थ ने जीती स्कूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जैन पब्लिक स्कूल में रविवार रात्रि महामेले का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार मेले में आकर्षण का केंद्र रहे। मेले में उमड़ी भीड़ लक्की ड्रा तक जमी रही। नीतू गुप्ता ने जहां प्रथम पुरस्कार के रूप में टियागो कार जीती, वहीं नंही दिशा व समर्थ ने स्कूटी पाई। महामेले का शुभारंभ आईसीएआई के निवर्तमान अध्यक्ष सीए चरणजोत सिंह नंदा ने किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए कहा कि वे अपनी मंजिल को पहचानकर दृढ़ निश्चय से लक्ष्य प्राप्ति में जुट जाएं। मुख्य मंच पर गुजराती, राजस्थानी व हरियाणा के परंपरागत लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुति हुई तो महाकाली नृत्य ने पूरी भीड़ को अपनी तरफ खींचा। जेपीएस आर्केस्टा व पूर्व छात्रों की संगीत प्रस्तुति ने रंग जमा दिया। प्रधानाचार्या प्रतिमा शर्मा ने सभी का अभिनंदन किया तो प्रबंधन समिति के प्रधान सीए मोहित जैन ने विद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराते हुए भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।


रेवाड़ी। मेले में सांस्कृति कार्यक्रम पेश करते हुए छात्राएं व लक्की ड्रा की विजेता को कार की चाबी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

केंद्रित नृत्य की प्रस्तुति सराहनीय रही

इस अवसर पर जैन समाज के प्रमुख संत आचार्य विद्यासागर पर केंद्रित नृत्य की प्रस्तुति सराहनीय रही। राजेश जैन ने मुनिश्री के जीवन पर प्रकाश डाला। अतिथियों के साथ प्रबंधन समिति के प्रधान सीए मोहित जैन, उप प्रधान सीमा जैन, सचिव अमित जैन, प्रबंधक प्रवीण जैन, कोषाध्यक्ष सचिन जैन, शासकीय निकाय सदस्य रविंद्र जैन, विजय जैन, प्रद्युम्न जैन व निपुण जैन ने मेले में लगी विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया। विद्यार्थियों के कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट स्टाल का पुरस्कार भी निकाला गया।

41 सांत्वना पुरस्कारों में ट्राली बैग दिए गए

समापन समारोह के मुख्य अतिथि एवं हरियाणा वित्त विभाग के निदेशक राजेश गुप्ता ने लक्की ड्रा निकाला। विद्यालय मीडिया प्रभारी एवं रंगकर्मी गोपाल शर्मा के संचालन में चले लक्की ड्रा में छोटे बच्चों ने विजेताओं के कूपन निकाले। एलईडी का तीसरा पुरस्कार विमल शर्मा व ईशान ने जीता। 41 सांत्वना पुरस्कारों में ट्राली बैग दिए गए। उप प्रधानाचार्या विजय गुप्ता ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर भाजपा नेता अजय कांटीवाल, समाजसेवी राकेश गर्ग, जैन एजुकेशन बोर्ड प्रधान मोहित जैन व अंकुर प्रभारी लीना मखीजा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।